3. संज्ञा
(Noun)

निम्न चित्रों के नाम बताइए–

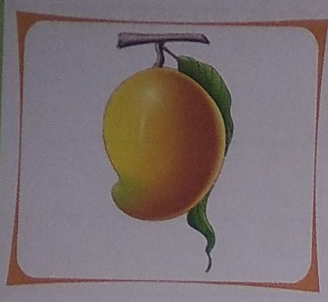
आम

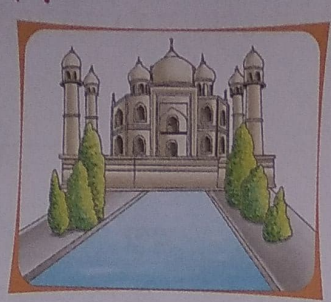
ताज़महल

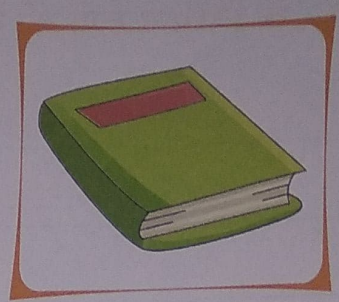
किताब

चिड़िया

यदि इन चित्रों के नाम न होते तो आप इन्हें क्या कह कर बुलाते? इस संसार में प्रत्येक वस्तु, प्राणी, स्थान अथवा भाव का कोई-न-कोई नाम होता है। यही नाम **संज्ञा** कहलाता है। निम्नलिखित वाक्यों को ध्यान से पढ़िए–

क. रवीना, शिल्पा व अक्षत आ रहे हैं।

ख. क्या तुम लोग माउंट आबू जा रहे हो?

ग. पिता जी नई मेज़-कुर्सी लाए हैं।

घ. इस दुनिया को घृणा से नहीं प्रेम से जीतो।

इन वाक्यों में आए शब्द– रवीना, शिल्पा, अक्षत, माउंट आबू, पिताजी, मेज़-कुर्सी, घृणा व प्रेम संज्ञा शब्द हैं।

किसी वस्तु, व्यक्ति, स्थान, प्राणी अथवा भाव का बोध कराने वाले शब्द संज्ञा कहलाते हैं।

व्यक्ति	वस्तु	स्थान	प्राणी	भाव
हिमांशु	विमान	कानपुर	गाय	विश्वास
संजय	अलमारी	पटना	शेर	सुंदरता
नेहा	श्यामपट्ट	दिल्ली	कबूतर	घृणा
दीपा	चॉक	लाहौर	हाथी	प्रसन्नता

जो संज्ञा शब्द किसी के गुण, दोष, दशा व भाव, आदि के बारे में बताएँ वे भाववाचक संज्ञा कहलाते हैं।

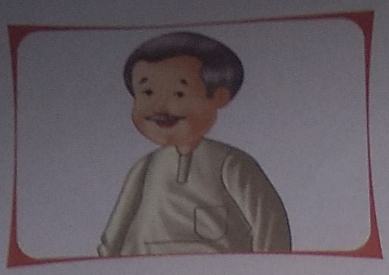

बुढ़ापा

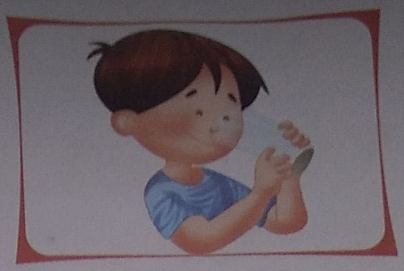

प्यास

प्रेम

भाववाचक संज्ञाओं को हाथ से छुआ अथवा देखा नहीं जा सकता, इन्हें केवल अनुभव कर सकते हैं।

भाववाचक संज्ञा बनाना

कुछ शब्द भाववाचक संज्ञा ही होते हैं; जैसे– सत्य, मृत्यु, प्रेम, आदि।

कुछ भाववाचक संज्ञाएँ; संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया व विशेषण शब्दों से बनाई जाती हैं।

H.W do in your fair copy

शब्द	भाववाचक संज्ञा
अपना	अपनापन
नमक	नमकीन
मित्र	मैत्री
हँसना	हँसी
दानव	दानवता
पढ़ना	पढ़ाई
खेलना	खेल
मूर्ख	मूर्खता
सफल	सफलता
सुनना	सुनवाई
वीर	वीरता
निकट	निकटता
दूर	दूरी
शिशु	शैशव

शब्द	भाववाचक संज्ञा
मारना	मार
एक	एकता
जाति	जातीयता
मानव	मानवता
मीठा	मिठास
बच्चा	बचपन
जीना	जीवन
कठिन	कठिनाई
हरा	हरियाली
लूटना	लूट
चमकना	चमक
देर	देरी
कम	कमी
शत्रु	शत्रुता

क्या आप जानते हैं?

इन चीज़ों को पहचानिए और उनके नाम लिखिए–

1. चार पैर पर टिकी हुई है, पढ़ते; खाते बिछी हुई है। चारपाई
2. संगमरमर से बना अनूठा, अपने में है प्यार समेटा, दुनिया में एक अजूबा। ताजमहल

पाठ का सार

- संज्ञा के तीन भेद हैं– व्यक्तिवाचक, जातिवाचक, भाववाचक।
- व्यक्तिवाचक – व्यक्ति अथवा वस्तु आदि के विशेष नाम का बोध कराते हैं; लेकिन कभी-कभी व्यक्तिवाचक संज्ञा, जातिवाचक के लिए भी प्रयुक्त होती है; जैसे– आजकल कंस-रावण सब जगह मिल जाते हैं। (यहाँ कंस तथा रावण से तात्पर्य दुष्ट व्यक्तियों से है।)
- कभी-कभी जातिवाचक संज्ञा व्यक्तिवाचक की भाँति प्रयोग की जाती है। गाँधी जी एक महान पुरुष थे। (यहाँ गाँधी शब्द जातिगत है परंतु विशेषत: महात्मा गाँधी के लिए जाना जाता है।)

अभ्यास

1. निम्नलिखित वाक्य पढ़िए व इनमें आए संज्ञा शब्दों पर गोला लगाइए–

क. कल शिक्षक दिवस मनाया जाएगा।

ख. कुतुब मीनार दिल्ली में स्थित है।

ग. शत्रुओं को घृणा से नहीं, प्रेम से जीतो।

घ. मुझे तोता, कोयल व मैना पसंद हैं।

ङ. पिता जी आम, तरबूज व केले लाए हैं।

च. मेरे घर के पास एक सुंदर बाग है।

छ. आकाश में सूरज चमक रहा है।

ज. सबको मेहनत करके सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

1. संज्ञा किसे कहते हैं? इसके कितने भेद हैं?

किसी वस्तु, व्यक्ति, स्थान, प्राणी अथवा भाव का बोध कराने वाले शब्द संज्ञा कहलाते हैं। इसके तीन भेद होते हैं।

2. संज्ञा के भेदों के चार-चार उदाहरण लिखिए-

व्यक्तिवाचक संज्ञा	जातिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा
मेहा, दिल्ली	मनुष्य, कवि	ठंडा, अच्छा
कुत्ता, विमान	पुस्तक, सैनिक	मृत्यु, प्रेम

3. अपने आसपास के वातावरण को ध्यान से देखिए व दस संज्ञा शब्द लिखिए-

पेड़	कंप्यूटर
सड़क	मेज़
कमरा	मीठा फल (केला)
मन्दिर	नींद
स्कूल	हरा

4. निम्नलिखित शब्दों की भाववाचक संज्ञाएँ लिखिए-

शब्द	भाववाचक संज्ञा	शब्द	भाववाचक संज्ञा
मूर्ख	मूर्खता	कम	कमी
वीर	वीरता	शत्रु	शत्रुता
दूर	दूरी	मानव	मानवता
शिशु	शैशव	मीठा	मिठास
बच्चा	बचपन	मित्र	मित्रता
जीना	जीवन	नमक	नमकीन

5. नीचे दिए संज्ञा शब्दों की सहायता से वाक्य बनाइए–

H.W

नमकीन, आकाश, शिल्पा, बचपन, प्रेम, वीरता

क. नमकीन → रेगिस्तान का जल नमकीन होता है।

ख. आकाश →

ग. शिल्पा →

घ. बचपन →

ङ. प्रेम →

च. वीरता →

बौद्धिक प्रश्न

- इस वर्ग पहेली में आए दस राज्यों के नाम छाँटकर लिखिए–

ह	उ	ड़ी	सा	ई	बि	उ
रि	गो	वा	क	ट	हा	त्त
या	पं	जा	ब	म	र	रां
णा	झा	र	खं	ड	ल	च
बा	स	के	र	ल	ब	ल
ज	सि	कि	क़	म	न	ज
ख	म	हा	रा	ठ	ट्र	क

H.W

गोवा